Dainik Bhaskar (Indore), 21st December 2011, Page-2

आईआईटी में एमटेक और एमएससी की भी होगी पढ़ाई

शोध के लिए 31 जनवरी को मुंबई में ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी से होगा समझौता

भास्कर संवाददाता | इंदौर

सिमरोल में बनने वाला आईआईटी इंदौर का भवन आधारभूत ढांचे के साथ एकेडमिक रूप से भी काफी समृद्ध होगा। इसके लिए आईआईटी प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बायो साइंस में आगे जाने के उद्देश्य से आईआईटी 31 जनवरी को मुंबई में यूके की कैली यूनिवर्सिटी से समझौता (एमओयू) करेगा। आईआईटी प्रबंधन की यह योजना भी है कि नए भवन में एमटेक, एमएससी के कोर्सेस व बीटेक के कुछ नए कोर्स शुरू किए जाएं। अन्य अस्थायी परिसरों में जमीन की समस्या नहीं आई तो कुछ पीजी कोर्स जुलाई 2012-13 के सत्र से भी शुरू किए जा सकते हैं।

एमओयू से शोध में मिलेगी मदद- आईआईटी इंदौर डायरेक्टर डॉ. प्रदीप माथुर ने बताया आईआईटी इंदौर के लिए मूलमंत्र रिसर्च रखा गया है। इसलिए कैली यूनिवर्सिटी से एमओयू किया जा रहा है। इससे शोध में काफी मदद मिलेगी।

कुछ कोर्स है योजना में- आईआईटी इंदौर रजिस्ट्रार कर्नल (रिटायर्ड) जी. राजशेखर ने बताया स्ट्रक्चरल इंजीनियरिग, बायो साइंस व सरफेस इंजीनियरिग में कुछ नए कोर्स शुरू करने की योजना है। इससे छात्रों को काफी लाभ होगा।

इन कोर्स की है योजना

स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग- यूजी (बीटेक) व पीजी स्तर के कोर्स।

बायोसाइंस- पीजी स्तर के कोर्स।

सरफेस इंजीनियरिंग- पीजी स्तर के कोर्स।

नैनो टेक्नोलॉजी व बायोटेक्नोलॉजी- बीटेक शुरू करने की योजना।

अभी ये कोर्स चल रहे

» **बीटेक कोर्स-** कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग व मैकेनिकल इंजीनियरिंग में हैं।

» हर कोर्स में 40-40 सीट होती है। हर साल 120 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

» पीएचडी की सुविधा भी है।

रिसर्च में आगे कैली यूनिवर्सिटी

» कैली यूनिवर्सिटी को यूके की टॉप यूनिवर्सिटी में गिना जाता है।

» एकेडमिक स्टाफ करीब 800 लोगों का है। इनमें से करीब 250 लोग रिसर्च से जुड़े हैं।

» अभी करीब 10 हजार छात्र अध्ययनरत हैं।

» इसका रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन मेडिसिन विभाग शोध क्षेत्र में काफी आगे है।

(जानकारी कैली यूनिवर्सिटी की वेबसाइट से)